वर्ष : 16 अंक : 350 लखनऊ शनिवार, 28 दिसंबर 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

सीएसए का फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कॉलेज में जागरूकता अभियान

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। सीएसए के आधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना के अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भिवान कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें सौ से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

इस कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि प्रायः किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण तो प्रदूषित होता ही है, साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने ने बताया कि

» सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया

खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों, फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने बताया कि पशुओं के गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।

फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

फसल प्रबंधन के लिए स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान

प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

कानपुर, 27 दिसम्बर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर की ओर से फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कानपुर देहात के भिवान स्थित बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भिवान कानपुर देहात में आयोजित कार्यक्रम में 109 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने बताया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। छात्र-छात्राओं ने फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। छात्र-छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर गौरव शुक्ला, शुभम यादव सहित विद्यालय के शिक्षक उपेंद्र सिंह पाल, बृजेश कुमार, राम जी एवं लवली देवी सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र ने अतिथियों को धन्यवाद दिया।

फसल प्रबंधन हेतु स्कूल में चलाया जागरुकता अभियान

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भिवान कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 109 से भी अधिक छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है। उन्होंने छात्र–छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों, फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन, चित्रकला एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर गौरव शुक्ला, शुभम यादव सहित विद्यालय के शिक्षक उपेंद्र सिंह पाल, बृजेश कुमार, राम जी एवं लवली देवी सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

मौसम
अधिकतम तापमान 23.c
09.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 78.840g
चांदी 91.000kg
सेंसेक्स 81,053.19
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
04 गंभीर संकट का कामचलाऊ समाधान, दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता बेहद खराब
जाहन्वी कपूर ने बिखेरा हुस्न का जलवा
वर्ष :10 अंक :317 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,शनिवार 28 दिसम्बर 2024 पृष्ठ : 08

फसल प्रबंधन हेतु स्कूल में चलाया जागरूकता अभियान

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर , सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भिवान कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 109 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है ।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है ।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित विद्यालय के शिक्षक उपेंद्र सिंह पाल, बृजेश कुमार, राम जी एवं लवली देवी सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

फसल प्रबंधन हेतु स्कूल में चलाया गया जागरूकता अभियान

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भिवान कानपुर देहात में आयोजित किया गया। जिसमें 109 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर नि लेखन,चित्रकला एव विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित विद्यालय के शिक्षक उपेंद्र सिंह पाल, बृजेश कुमार, राम जी एवं लवली देवी सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
वर्षः 14 अंक :342 कानपुर, शनिवार 28 दिसम्बर 2024 RNI UPHIN/2010/47220

फसल प्रबंधन हेतु स्कूल में चलाया जागरुकता अभियान

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत स्कूल विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुद्ध लाल वर्मा इंटर कॉलेज भिवान कानपुर देहात में आयोजित किया गया।जिसमें 109 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने ने बताया कि खेत के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित विद्यालय के शिक्षक उपेंद्र सिंह पाल, बृजेश कुमार, राम जी एवं लवली देवी सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।